

~~प्राचीन विद्या~~ (प्राचीन विद्या)  $C = 0.5$

~~प्राचीन विद्या~~ (प्राचीन विद्या)

DATE \_\_\_\_\_  
PAGE \_\_\_\_\_

DATE \_\_\_\_\_  
PAGE \_\_\_\_\_

दृष्टान्ती विकल्प वरदी  
यहाँ दृष्टि बोडी यशार  
लक्ष्मी वरदा वृत्ति वरदी

प्रसाद सांभायुध के द्वाय-यमेव प्रविश

प्रसाद वरदी

वरदी

मां भायदी क्वालट इयो हृषा माया मुखदी

न रठ-मल्या वरदी है

स्थां मल विक्षेत्रील्या यारदी मां

हियोक्या क्षेत्र नास वरदी गाउ

तीक्ष्णं साधु उप याप्ति है,

क्षमाप्ति विक्षमा व धष्ट वीक्षं क्षमा

मिर त्रै अवस्था वरदी मां

साधु नास याप्ति है

दृष्ट-दृक् द्वारा त्रै, दृक् द्वारा त्रै मां

मां वरदी है

मां द्वारा त्रै याप्ति है, त्रै मां

त्रै जेश्वर वरदी त्रै वरदी त्रै त्रै मां

त्रै वरदी त्रै वरदी त्रै त्रै मां

DATE \_\_\_\_\_  
PAGE \_\_\_\_\_

DATE \_\_\_\_\_  
PAGE \_\_\_\_\_

प्रियम् पर मां ने तरांगा हाथ माथ लिया बैठा मांगा।

विजये - हैं वे आये वस्त्र में कागड़ी। ३ छेष्टकां - मां त्यार हो छोड़ के साझा दि

दिवसमाच वत्या प्राप्त दृश्य ने क्यायहे।

घटे ले दिखान विच रुदी चमत्कारी करते

हैं दो उत्तमायुधी भिन्न दो दो मारी

कमाली छाँ दे लेखा चाहिये प्रामां

घटे ले न ठेम दे उमा है याप्त -

प्रज्ञान दृष्ट भरी वर्ती नीली टिक्की

टिक्की एम चर्चा चाहिये तां

माव वर्णा नमर्दा गा :

वाला दृष्ट व्यौदः -

चमाल - उत्तमायुधी घटे ने

उमा - उत्तम वृक्षायुध मां जान बहिये।

१ वक्षने के वरना :- मां त्यायह वधे ने

विजये - हैं वे आये वस्त्र में कागड़ी।

२ वक्षने के वरना :- मां त्यायह वधे ने

मां दृश्य दी प्राप्त हो ने त्यायह वधे ने

विजये - हैं वे आये वस्त्र में कागड़ी।

३ वक्षने के वरना :- मां त्यायह वधे ने

मां दृश्य दी प्राप्त हो ने त्यायह वधे ने

विजये - हैं वे आये वस्त्र में कागड़ी।

४ वक्षने के वरना :- मां त्यायह वधे ने

मां दृश्य दी प्राप्त हो ने त्यायह वधे ने

विजये - हैं वे आये वस्त्र में कागड़ी।

५ वक्षने के वरना :- मां त्यायह वधे ने

मां दृश्य दी प्राप्त हो ने त्यायह वधे ने